राजकीय महाविद्यालय भरली (आंजभोज)

तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि. प्र.)

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

26 दिसंबर 2018

मुख्य अतिथि:

श्री सुखराम चौधरी, माननीय विधायक (पांवटा साहिब)

प्रस्तुतकर्ता:

प्रो. राजेंद्र कुमार शर्मा, प्राचार्य

स्वागत

सर्वप्रथम आगंतुक सभी महानुभावों का मैं राजकीय महाविद्यालय भरली के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में तहे दिल से हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता हूँ। हमें बेहद प्रसन्नता है कि हमारे निमंत्रण पर आंजभोज क्षेत्र के गणमान्य नागरिक महाविद्यालय के छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन करने के लिए अपना कीमती समय निकाल कर हमारे मध्य उपस्थित हुए हैं। महाविद्यालय परिवार आप सभी के आगमन पर अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रहा है।

मुख्य अतिथि: माननीय विधायक श्री सुखराम चौधरी जी

यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि आज हमारे महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में माननीय विधायक श्री सुखराम चौधरी जी ने मुख्य अतिथि का पद सहजता से स्वीकार कर हमें अनुगृहीत किया है। आदरणीय श्री सुखराम चौधरी का जन्म पांवटा साहिब के अमरगढ़ गाँव में स्वर्गीय श्री तुलसी राम जी के कुल में 15 अप्रैल 1964 को हुआ।

स्कूली शिक्षा के बाद उन्होंने आई.टी.आई. से इलेक्ट्रिकल्स में डिप्लोमा किया। हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड में उन्होंने वर्ष 1982 से 1994 तक टेलीफ़ोनिस्ट तथा 1994 से 1998 तक कनिष्ठ अभियंता के रूप में सेवा दी। वह एक बहुमुखी व्यक्तित्व है और अपने जीवन के आरम्भ में ही उन्होंने समाज सेवा को अपना लक्ष्य बना लिया था। समाज सेवा की लग्न के कारण उन्होंने कालान्तर में हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड की सेवा से त्याग पत्र दे कर पूर्णकालिक तौर पर राजनीति और जनसेवा को अपना लिया।

वह भाजपा में जिला सिरमौर इकाई के तीन बार अध्यक्ष, राज्य भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष तथा वर्तमान में राज्य भाजपा उपाध्यक्ष पद पर सुशोभित हो चुके हैं। इनके परिवार में इनकी धर्मपत्नी श्रीमती शशि बाला तथा तीन बेटियां हैं।

वर्ष 2003 में वह पहली बार हिमाचल प्रदेश विधानसभा में पांवटा साहिब से चुन कर विधायक बने। दिसम्बर 2007 में वह फिर से निर्वाचित हुए तथा 09 जुलाई, 2009 से दिसंबर, 2012 तक वह मुख्य संसदीय सचिव (कृषि और पशुपालन के लिए मुख्यमंत्री के साथ संलग्न) बने रहे।

यद्यपि वह 2012 विधान सभा चुनाव में हार गए, परन्तु उन्होंने जनसेवा तथा जनसम्पर्क जारी रखा जिसके फलस्वरूप वह दिसंबर 2017 में 13वीं विधानसभा में पांवटा साहिब विधानसभा क्षेत्र से भारी बहुमत से विजयी हो कर तीसरी बार विधायक बने। वर्तमान में वह कल्याण समिति के अध्यक्ष हैं तथा पुस्तकालय और सदस्य सुविधाएं समिति के सदस्य की जिम्मेदारी का निर्वहन भी कर रहे हैं।

विधायक के रूप में अपने तीसरे कार्यकाल में, चौधरी साहब क्षेत्र के उत्थान एवं विकास हेतु बेहद मुखर और उत्साही नजर आ रहे हैं। हालांकि राजनेताओं के शास्त्रीय जीवन चक्र के लिहाज से सुखराम जी अभी भी युवा हैं, परन्तु वह हिमाचल प्रदेश विधानसभा के वरिष्ठ विधायकों में गिने जाते हैं । उनके साथ किसी के व्यक्तिगत अथवा राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं परन्तु उनके तार्किक तर्क-वितर्क को व्यापक जन समर्थन प्राप्त है । वह क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक अवसरों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं तथा आम आदमी से स्वतंत्र रूप से मिलते-जुलते हैं। वह गरीबों और जरूरतमंद लोगों की मदद करने में सदैव तत्पर रहते हैं तथा जन समस्याओं का समाधान करने के लिए ईमानदार प्रयास कर रहे हैं व संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने के लिए अपने राजनीतिक अधिकार का उपयोग करने में नहीं झिझकते। वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में ईमानदारी, सादगी तथा स्पष्टवादिता के लिए प्रसिद्ध हैं।

विशेष अतिथि: डॉ. दाता राम शर्मा

प्रेरणा स्त्रोत सम्मान से पुरस्कृत डॉ. दाता राम शर्मा आज विशेष अतिथि के रूप में हमारे कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे हैं । इनका जन्म 26 नवम्बर 1954 को एक मध्यम वर्ग के कृषक परिवार में स्वर्गीय श्री कांशी राम शर्मा बिजउ के कुल में नघेता गांव में हुआ। इन्होंने 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात 11वीं कक्षा में विज्ञान संकाय में अध्ययन आरंभ किया था परन्तु दुर्भाग्यवश दोनों आंखों में काला मोतिया नामक रोग से ग्रसित होने के कारण अध्ययन कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। उपचार हेतु आगामी दस वर्षों में 12 ऑपरेशन करने के बावजूद भी आंखें ठीक नहीं हो पाई। 14 वर्षों के अंतराल के पश्चात डॉ. दाता राम शर्मा ने ब्रेल लिपि में पारंगत हो अपना शैक्षणिक कार्य पुनः आरंभ किया और वर्ष 1985 में पी.यू.सी., 1988 में कला स्नातक तथा 1991 में राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। शैक्षणिक उपलब्धियों के पश्चात शोध कार्य करते हुए वर्ष 1993 में एम. फिल. तथा वर्ष 1999 में पी. एच. डी. करने वाले प्रथम दृष्टिहीन व्यक्ति बने।

4 फरवरी 1984 को डॉ. दाता राम शर्मा की नियुक्ति ब्रेल अनुदेशक के रूप में अंध-विद्यालय ढली, शिमला में हुई। इस विद्यालय में लगभग 11 वर्ष दृष्टिहीन छात्र–छात्राओं के बीच रहते हुए उन्हें शिक्षित किया। हिमाचल लोक सेवा आयोग द्वारा 1994 में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर के तथा 1999 में महाविद्यालय स्तर के प्रवक्ता के रूप में चयन किया गया। उपरोक्त पदों पर सामान्य वर्ग के रूप में चुने जाने वाले हिमाचल प्रदेश के प्रथम दृष्टिहीन व्यक्ति हैं। यहां उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय स्तर के साक्षात्कार में इन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

अपनी शारीरिक अक्षमता पर पूर्णरूपेण नियंत्रण पाते हुए उन्होंने वर्ष 1999 से नवंबर 2012 में सेवानिवृत्ति तक राजनीति शास्त्र के प्राध्यापक पद पर राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब में अध्यापन कार्य का अत्यंत कुशलता एवं प्रभावपूर्ण तरीके से निर्वहन किया। इन्होने दो पुस्तकों — 'हिमाचल में विकलांगों का व्यापक सर्वेक्षण' तथा 'हिमाचल में विकलांगों की दशा एवं दिशा' — का प्रकाशन भी किया। सेवानिवृत्ति के उपरान्त भी हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अंतर्गत वे एम.फिल. व पी.एच.डी. के छात्रों को विभिन्न प्रकल्पों में मार्गदर्शन करा रहे हैं। उनके शोध एवं सामाजिक कार्यों ने विकलांगों की आकांक्षाओं, भावनाओं, आवश्यकताओं और दक्षता को उजागर किया। इनके शैक्षणिक योगदान तथा सामाजिक कार्यों से अभिभूत हिमाचल प्रदेश सरकार एवं कई सामाजिक संस्थाओं ने समय–समय पर उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया है जिसमें हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्रेरणा स्त्रोत पुरस्कार, स्टेट अवार्ड फोर बैस्ट परफोरमिंग परसन्स विद डिसएबिलिटीज तथा हिमोत्कर्ष साहित्य, संस्कृति एवं जन कल्याण परिषद द्वारा हिमाचल श्री पुरस्कार सम्मिलित है। डॉ. दाता राम शर्मा ने दृष्टिहीनों को अंधकार के भय से मुक्त करते हुए उन्हें एक नई दिशा दी है तथा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रति उत्साहित एवं प्रेरित किया है। उनका योगदान और उपलब्धियां वास्तव में 'प्रेरणा स्त्रोत' हैं।

विशेष अतिथि: रमेश तोमर, बी. डी. सी. अध्यक्ष

श्री रमेश तोमर जी, अध्यक्ष ब्लॉक विकास समिति पांवटा साहिब आज विशेष अतिथि के रूप में हमारे कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे हैं । इनका जन्म एक मध्यम वर्ग के कृषक परिवार में स्वर्गीय श्री देइ सिंह तोमर के कुल में भैला गांव में हुआ। रमेश जी ने नवयुवक मंडल भैला में दो कार्यकाल के लिए प्रधान की जिम्मेदारी का निर्वहन किया। इनकी खेलकूद विशेषकर वॉलीबॉल में विशेष रुचि रही है तथा जब भी इन्हें समय मिलता है तो ये युवाओं के साथ आज भी जमकर खेलते है और क्षेत्र में स्पोर्ट्स को प्रोत्साहित करते हैं।

रमेश जी ब्लॉक विकास समिति पांवटा साहिब में नघेता से सदस्य की रूप में चुन कर आये तथा सभी सदस्यों ने इनको बी. डी. सी. का अध्यक्ष चुना। एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी रमेश जी अपने परिवार के जीवनयापन के लिए एक ओर कृषि का कार्य करते हैं तो साथ ही ठेकेदारी भी करते है।

महाविद्यालय स्थापना एवं परिचय

जून 2015 में स्थापित राजकीय महाविद्यालय भरली (आंजभोज) ने अपने अस्तित्व की अल्प अवधि के भीतर अपना व्यापक नाम कमाया है। महाविद्यालय हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से संबद्ध है। वर्तमान में महाविद्यालय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नघेता के परिसर में चल रहा है और महाविद्यालय प्रशासन स्कूल प्रशासन का सदैव ऋणी रहेगा जिन्होंने विभिन्न बाधाओं एवं कठिनाइयों के

बावजूद हमें हर संभावित सहयोग प्रदान किया। महाविद्यालय के भवन का निर्माण कार्य तीव्र गति से चालू हैं तथा विधायक साहब की सक्रिय भूमिका के फलस्वरूप संभावना है कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान निर्माण कार्य संपूर्ण हो जाएगा और संभवतः मार्च 2019 तक महाविद्यालय अपने परिसर में स्थानांतरित हो जाएगा। महाविद्यालय के सपने को उन ग्रामीणों के समर्थन के बिना पूरा नहीं किया जा सकता था जिन्होंने महाविद्यालय के लिए अपनी भूमि दान की है, और इसके लिए हम उन सभी के सदैव आभारी रहेंगे। महाविद्यालय क्षेत्र के सभी वर्गों को श्रेष्ठ शिक्षा प्रदान करने तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के बहुआयामी विकास के साथ अकादमिक उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों की उपलब्धि के लिए निरंतर प्रयासरत है।

शैक्षणिक व शिक्षणेतर सदस्य

शिक्षण संस्थान शिक्षकों तथा शिक्षणेतर सदस्यों के सुगम युग्मीय संचालन पर निर्भर करता है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि यहाँ पर कार्य करने वाला प्रत्येक शैक्षिक व शिक्षणेतर सदस्य परिवार मानसिकता से कार्य करता है। अतः इस महाविद्यालय में कार्य-संस्कृति-वातावरण अत्यंत सहज है।

वर्तमान में महाविद्यालय में कुल 7 प्राध्यापक पद स्वीकृत हैं, जिनमें कोई भी पद रिक्त नहीं है । माननीय विधायक के प्रयासों से सभी रिक्त पद सरकार द्वारा भर दिए गए हैं। शिक्षणेतर सदस्यों के 11 स्वीकृत पदों में से केवल दो पद रिक्त है, एक लाइब्रेरियन तथा एक ऑफिस असिस्टेंट।

शैक्षणिक पदों की स्थिति

क्र. सं.	पद/ विषय प्राध्यापक	स्वीकृत पद	पद स्थिति			रिक्त पद
			नियमित	अनुबंध	अभिभावक शिक्षक संघ	
1	प्राचार्य	1	1	-	-	-
2	अंग्रेजी	1	1	-	-	-
3	हिंदी	1	-	1	-	-
4	इतिहास	1	1	-	-	-
5	राजनीति शास्त्र	1	-	1	-	-
6	अर्थशास्त्र	1	1	-	-	-
7	वाणिज्य	1	1	-	-	-
	कुल	**7**	**5**	**2**	**-**	**-**

शिक्षणेतर पदों की स्थिति

क्र. सं.	पद नाम	स्वीकृत पद	पद स्थिति			रिक्त पद
			नियमित	अनुबंध	अभिभावक शिक्षक संघ	
1	अधीक्षक (श्रेणी-II)	1	1	-	-	-
2	वरिष्ठ सहायक	1	1	-	-	-
3	पुस्तकालयाध्यक्ष	1	-	-	-	1
4	क्लर्क/कनिष्ठ कार्यालय सहायक	2	-	1	-	1
5	चपरासी	5	5	-	-	-
	कुल	**10**	**7**	**1**		**2**

पदोन्नति/नव-नियुक्ति/स्थानांतरण

1. पदोन्नति

i. प्रो. राजेंदर कुमार शर्मा ने पदोन्नत हो कर राजकीय महाविद्यालय भरली, आंजभोज में प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया।

2. नव-नियुक्ति

i. श्री वेद प्रकाश शर्मा ने राजनीति शास्त्र विभाग में नव नियुक्ति पर राजकीय महाविद्यालय भरली आंजभोज में पदभार ग्रहण किया।

ii. श्री सतपॉल ने हिंदी विभाग में नव नियुक्ति पर राजकीय महाविद्यालय भरली आंजभोज में पदभार ग्रहण किया।

3. स्थानांतरण

i. डॉ. जगदीश चौहान, अर्थशास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय भरली, आंजभोज से राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब।

ii. डॉ. नलिन रमौल, अर्थशास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब से राजकीय महाविद्यालय भरली, आंजभोज।

iii. श्रीमती रीना चौहान, अंग्रेजी विभाग, राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब से राजकीय महाविद्यालय भरली, आंजभोज।

iv. श्रीमती कांता चौहान, हिंदी विभाग, राजकीय महाविद्यालय भरली, आंजभोज से राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब।

v. श्रीमती प्रतिभा, राजनीति शास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय भरली, आंजभोज से राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब।

vi. श्री प्रकाश शर्मा, इतिहास विभाग, राजकीय महाविद्यालय भरली, आंजभोज से राजकीय महाविद्यालय पझौता, फट्टी पटेल।

vii. श्री वेद प्रकाश शर्मा, राजनीति शास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय भरली, आंजभोज से राजकीय महाविद्यालय ददाहू।

viii. श्री रमेश कुमार, राजनीति शास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय रक्कड़ से राजकीय महाविद्यालय भरली, आंजभोज।

ix. डॉ. मोहन सिंह चौहान, इतिहास विभाग, राजकीय महाविद्यालय नाहन से राजकीय महाविद्यालय भरली, आंजभोज।

संकाय वार विद्यार्थियों की संख्या

इस सत्र में सभी संकायों को मिलाकर विद्यार्थियों की कुल संख्या 145 है।

संकाय	कक्षा / संकाय वार विद्यार्थी संख्या	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		कुल छात्र	कुल छात्राएं	कुल विद्यार्थी
		छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	
कला	स्नातक प्रथम वर्ष	18	22	2	5	0	0	0	2	20	29	49
	चतुर्थ सेमेस्टर	9	14	2	4	0	0	0	4	11	22	33
	छठा सेमेस्टर	5	28	1	2	0	0	6	6	12	36	48
	कुल	**32**	**64**	**5**	**11**	**0**	**0**	**6**	**12**	**43**	**87**	**130**
वाणिज्य	स्नातक प्रथम वर्ष	1	4	0	0	0	0	0	0	1	4	5
	चतुर्थ सेमेस्टर	3	0	0	0	0	0	0	0	3	0	3
	छठा सेमेस्टर	3	1	1	0	0	0	1	1	5	2	7
	कुल	**7**	**5**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**9**	**6**	**15**
	कुल योग	**39**	**69**	**6**	**11**	**0**	**0**	**7**	**13**	**52**	**93**	**145**

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन

राजकीय महाविद्यालय भरली प्रदेश के शैक्षिक मानचित्र पर तेजी से अपनी जगह बनाता जा रहा हैं। शिमला के गेयटी थियेटर में हुए राजभाषा दिवस समारोह में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए एक बार फिर इस महाविद्यालय के छात्रों ने पानी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए भाषण, कविता लेखन व निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में विभिन्न पुरस्कार अर्जित कर समूचे आंजभोज क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया। कविता लेखन प्रतियोगिता में महाविद्यालय के बी.ए. प्रथम की छात्रा मोनिका ने प्रथम स्थान अर्जित कर न केवल ख्याति अर्जित की अपितु अपनी सफलता का परचम भी प्रदेश भर में लहराया। कविता लेखन के अतिरिक्त भाषण प्रतियोगिता में महाविद्यालय के बी.ए. प्रथम की छात्रा ऋषिका तोमर व बी.ए. तृतीय सत्र के अभिषेक चौहान ने प्रदेश भर में चौथा स्थान अर्जित कर सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इसके साथ-साथ निबंध लेखन प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम की छात्रा अंजना व बी.ए. 5 सेमेस्टर के छात्र राहुल ने भी प्रदेश भर में चौथा स्थान अर्जित कर सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इन सभी विद्यार्थीयों ने यह प्रमाणित कर दिया कि कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय से कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है। महाविद्यालय में बुनियादी सुविधाओं के अभाव के बावजूद यह शानदार सफलता ग्रामीण पिछड़े क्षेत्र के विद्यार्थियों के लक्ष्य के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विद्यार्थियों को समाज के प्रति संवेदनशील बनाया जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य समाज से जुड़ी समस्याओं के निदान पर आधारित है तथा समरस समाज कैसे स्थापित हो, इसी ध्येय से यह योजना कार्य करती है। विद्यार्थी देश का भविष्य हैं तथा उनका समाज से सीधे तौर पर जुड़ना आवश्यक है। इस योजना के माध्यम से विद्यार्थियों में अपने समाज, प्रदेश, राष्ट्र तथा विश्व बंधुत्व की भावना को प्रोत्साहित किया जाता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई की गतिविधियां कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सतपाल के दिशा-निर्देशन में चल रही हैं। वर्तमान सत्र में कुल 50 स्वयं सेवक पंजीकृत हैं। सतत सत्र में अनेक श्रमसाध्य सत्र एवं बौद्धिक सत्रों का आयोजन किया जा चुका है जिनमें प्रश्नोत्तरी, वक्तव्य कला, नारा लेखन, पोस्टर इत्यादि कई गतिविधियों का समावेश रहा। एड्स जागरूकता तथा नशा निवारण पर विशेष गोष्ठियां चर्चाएं आयोजित की गयी। निकट भविष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सप्त दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन प्रस्तावित है।

कर्मचारी वर्ग की उपलब्धियाँ

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों का व्यक्तिगत विकास भी भूमिका निभाता है। अतः: हमारे कर्मचारी भी वर्ष-प्रतिवर्ष व्यक्तिगत उपलब्धियों द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देते हैं।

1. प्रो. रीना चौहान ने "ट्रान्सेंडैंटलिस्म इन द पोएट्री ऑफ़ स्वामी विवेकानंद, वाल्ट व्हिटमैन एंड कमला दास" विषय पर शोध पत्र राजकीय महाविद्यालय बासा, मंडी में आयोजित कांफ्रेंस में प्रस्तुत किया। ("Transcendentalism in the Poetry of Swami Vivekananda, Walt Whitman and Kamla Das" in the Conference organised by English Teachers' Forum, Himachal Pradesh on the topic 'Indian English Literature' on 3rd and 4th August 2018 at Government College Bassa, Mandi)

2. डॉ. ध्यान सिंह तोमर ने हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान (HIPA), शिमला द्वारा आयोजित डिपार्टमेंटल एग्जाम पास किया।

3. डॉ. नलिन रमौल को हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र विषय में पी.एच.डी. डिग्री अप्रैल 2018 में प्राप्त हुई।

4. इस वर्ष डॉ नलिन रमौल द्वारा लिखे गए तीन शोध पत्र प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

    i. सेज पब्लिकेशन द्वारा इंडियन इकनोमिक जर्नल में प्रकाशित "इंडस्ट्रियल लोकेशन पॉलिसी इन इंडिया: एन एनालिटिकल पर्सपेक्टिव" (Ramaul, Nalin and Pinki Ramaul. 2018. Industrial Location Policy in India: An Analytical Perspective. *The Indian Economic Journal* (Sage Publications) 65(1-4): 76-90.)

    ii. स्प्रिंगर पब्लिकेशन द्वारा जर्नल ऑफ़ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स में प्रकाशित "रीजनल इन्सेन्टिव्स एंड लोकेशन चॉइस ऑफ़ नई फर्म्स इन इंडिया: ए नेस्टेड लोजिट मॉडल" (Ramaul, Nalin and Pinki Ramaul. 2018. Regional Incentives and Location Choice of New Firms in India: A Nested Logit Model. *Journal of Quantitative Economics* (Springer) 16(2): 501-525.)

    iii. हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान (HIPA), शिमला द्वारा एडमिनिस्ट्रेटिव डेवलपमेंट जर्नल में प्रकाशित "इफेक्टिवनेस ऑफ़ इंडस्ट्रियल लोकेशन पॉलिसी इन इंडिया: ए केस स्टडी ऑफ़ हिमाचल प्रदेश (Ramaul, Nalin and Pinki Ramaul. 2018. Effectiveness

of Industrial Location Policy in India: A Case Study of Himachal Pradesh. *Administrative Development* (A Journal of HIPA, Shimla): 5(1): 37-64.)

5. इस वर्ष डॉ. नलिन रमौल तथा डॉ. ध्यान सिंह तोमर द्वारा मिल कर एक पुस्तक प्रकाशित की गयी।

    i. टूरिज्म फ्रॉम अरावलीज़ टू हिमालयाज: इनसाइट्स फ्रॉम स्टेकहोल्डर्स (Ramaul, Nalin Kumar, Dhyan Singh Tomar, and Pinki Ramaul. 2018. *Tourism from Aravallis to Himalayas: Insights from Stakeholders*. Nik Nos: Paonta Sahib. ISBN 9781983294860.)

6. इसके अतिरिक्त इस वर्ष डॉ. नलिन रमौल द्वारा तीन अन्य पुस्तकें भी प्रकाशित की गयी।

    i. सखी संग आजीविका: मैनेजिंग माइक्रोफिनांस (Ramaul, Nalin Kumar, Dinesh Kumar, and Pinki Ramaul. 2018. *Sakhi Sang Aajeevika: Managing Microfinance.* Nik Nos: Paonta Sahib. ISBN 9781983093517.)

    ii. वायलेंस अगेंस्ट वीमेन: वैरिड पर्सपेक्टिव्स (Ramaul, Nalin Kumar, Vivek Negi, and Pinki Ramaul. 2018. *Violence Against Women: Varied Perspectives*. Nik Nos: Paonta Sahib. ISBN 978-81-938330-0-1.)

    iii. साइंस क्विज (Ramaul, Nalin Kumar and Pinki Ramaul. 2018. *Science Quiz*. Nik Nos: Paonta Sahib. ISBN 9781983351372.)

7. डॉ. नलिन रमौल भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) द्वारा वित्तपोषित अनुसंधान परियोजना "क्लस्टर डेवलपमेंट एप्रोच: अ स्टडी ऑफ़ आयुष इंडस्ट्री क्लस्टर्स इन इंडिया" पर कार्य कर रहे हैं जिसके लिए 8 लाख रुपये की अनुदान सहायता प्राप्त हुई है।

8. प्रो. रमेश कुमार द्वारा अब तक सात बार रक्त दान किया जा चुका है।

विकासात्मक गतिविधियां

1. जिला ग्रामीण विकास एजेंसी (DRDA) जिला सिरमौर द्वारा विद्यार्थियों के शौचालय के निर्माण हेतु स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत एक लाख चौवन हजार रुपये आबंटित किये गए है तथा शौचालय का निर्माण कार्य स्कूल प्रबंधन समिति राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नघेता द्वारा करवाया जा रहा है।

2. कॉलेज ऑफिस में इन्वर्टर स्थापित किया गया।

3. महाविद्यालय के कम्प्युटरीकरण हेतु फी कलेक्शन एंड ऑफिस मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर ए.सी. एस. एंटरप्राइज द्वारा विकसित करवाया गया है।

4. सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से महाविद्यालय में पीने के पानी की सुविधा प्रदान की गई।

5. महाविद्यालय की अपनी वेबसाइट का डोमेन नेम gdcb.ac.in रजिस्टर करवाया गया तथा वेबसाइट होस्टिंग सर्विस खरीद कर वेबसाइट निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है और शीघ्र ही वेबसाइट बन कर तैयार हो जायेगी।

6. महाविद्यालय के कम्प्युटरीकरण हेतु दो कंप्यूटर तथा दो प्रिंटर खरीदे गए।

7. माननीय विधायक श्री सुखराम चौधरी द्वारा प्रदान किए गए 25,000 रुपये के अनुदान में कुछ राशि अभिभावक शिक्षक संघ द्वारा जोड़ कर महाविद्यालय की लोक नृत्य टीम हेतु आवश्यक परिधान खरीदे गए।

8. महाविद्यालय की लोक नृत्य टीम हेतु आवश्यक संगीत वाद्ययंत्र खरीदे गए।

केंद्रीय छात्र परिषद्

केंद्रीय छात्र परिषद् का गठन इस वर्ष प्रत्यक्ष मतदान द्वारा न हो कर मेरिट के आधार पर किया गया। केंद्रीय छात्र परिषद् 2018- 19 में शीतू तोमर, बी. ए. 5 सेमेस्टर (अध्यक्ष), विकेश, बी.कॉम. 5 सेमेस्टर (उपाध्यक्ष), रजत, बी.कॉम. 3 सेमेस्टर (सचिव) तथा अंजना देवी, बी.ए. प्रथम वर्ष (सह सचिव) के तौर पर चुने गए।

अभिभावक शिक्षक संघ (पी.टी.ए.)

14 जुलाई 2018 को राजकीय महाविद्यालय भरली में पहली बार अभिभावक शिक्षक संघ (पी.टी.ए.) का गठन किया गया । पहली कार्यकारिणी में प्रधान पद पर श्री सुरेंदर सिंह चौहान, उप-प्रधान श्री खत्री राम तोमर, कोषाध्यक्ष श्री खुशी राम चौहान, सलाहकार श्री खत्री राम पुंडीर, ऑडिटर श्री राम लाल पुंडीर तथा सदस्य श्री उदय राम पुंडीर, श्री ज्ञान सिंह तोमर को सर्वसम्मति से चुना गया। इसके अतिरिक्त स्टाफ सदस्यों में से डॉ. ध्यान सिंह तोमर को सचिव का कार्यभार सौंपा गया तथा डॉ. नलिन रमौल व श्रीमती रेखा तोमर को सदस्य और श्री नागेश घिल्डियाल को ऑडिटर के पद पर चयनित किया गया।

गौरव पुरस्कार

गौरव पुरस्कार हमारे महाविद्यालय का विशिष्ट पुरस्कार है, जिसे ऐसे विद्यार्थी को प्रदान किया जाता है जो अपने अध्ययन काल के दौरान महाविद्यालय में नैतिकता एवं अनुशाशन के मापदंडों पर खरा उतरते हुए विशिष्ट योग्यता अर्जित करता है।

गौरव पुरस्कार - सर्वोत्कृष्ट छात्र: विकेश कुमार, बी.कॉम.छठा सेमेस्टर, रोल नंबर 16706

गौरव पुरस्कार - सर्वोत्कृष्ट छात्रा: शीतू तोमर, बी.ए. छठा सेमेस्टर, रोल नंबर 16109

हमारी अपेक्षाएं एवं आवश्यकताएं

1. महाविद्यालय को नव-निर्मित भवन में शीघ्रातिशीघ्र स्थानांतरित किया जाए क्योंकि वर्तमान समय में महाविद्यालय के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला के परिसर में स्थित होने के कारण विद्यार्थियों के बैठने की जगह की बहुत कमी है एवं अन्य गतिविधियों के संचालन के लिए भी पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है । यह ध्यान देने योग्य तथ्य है कि महाविद्यालय में बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण अनेक विद्यार्थी दूर के महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए बाध्य हो रहे हैं जो कि उनकी आर्थिक परिस्थिति के अनुकूल नहीं है।

2. विद्यार्थियों के लिए खेलकूद गतिविधियों में भाग लेने की मूलभूत आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नए परिसर में खेल मैदान की व्यवस्था की जाए। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु महाविद्यालय के पास पर्याप्त भूमि उपलब्ध है जिस पर सरकार द्वारा पर्याप्त बजट का प्रावधान करवाने से अच्छे खेल मैदान का निर्माण किया जा सकता है। उस प्रस्तावित खेल मैदान का उपयोग न केवल महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा किया जाएगा बल्कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नघेता के कर्मठ डी.पी.ई. श्री मनीष टंडन द्वारा अनेक राष्ट्रीय स्तर की हॉकी प्रतिभाओं को बनाने एवं निखारने के लिये भी किया जा सकेगा।

3. महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध करवाने की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आवासीय भवनों का निर्माण करने के लिए शीघ्रता से उचित कदम उठाए जाए। यहाँ यह इंगित करना उचित होगा कि राजकीय महाविद्यालय शिलाई में पर्याप्त आवासीय भवनों का निर्माण किया गया है।

4. नए परिसर में पानी की उचित सुविधा के लिए बोर वेल स्थापित किया जाए तथा बिजली की पर्याप्त पूर्ति के लिए आवश्यक ट्रांसफॉर्मर लगाया जाए।

5. लाइब्रेरियन का रिक्त पद भरा जाए ताकि विद्यार्थियों के लिए एक उचित पुस्तकालय की व्यवस्था की जा सके।

6. वाणिज्य विभाग में एक अतिरिक्त पद तथा शारीरिक शिक्षा और संगीत विभाग में प्राध्यापक के नए पद सृजित किए जाएं ताकि विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा को उचित रूप से निखारा जा सके।

आभार

अंत में, मैं मुख्य अतिथि आदरणीय श्री सुखराम चौधरी जी तथा विशेष अतिथि श्री रमेश तोमर एवं डॉ. दाता राम शर्मा का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम में से हमारे लिए समय निकाला। स्थानीय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नघेता, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा मीडिया का शुक्रिया अदा करता हूँ कि समय-समय पर हमें इनसे अपेक्षित सहयोग मिलता रहा है। मैं अभिभावक-शिक्षक संघ के पदाधिकारियों तथा इस अवसर पर आये सभी अतिथियों का हार्दिक धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकाल कर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अंत में मैं उन सभी विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ, जिन्होंने शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर महाविद्यालय, गुरुओं तथा माता-पिता का नाम रोशन किया है। जिन विद्यार्थियों को इस वर्ष पुरस्कार नहीं मिला, वे उन सफल विद्यार्थियों से प्रेरणा ले कर अगले सत्र में परिश्रम द्वारा सफलता प्राप्त करें। इसके साथ ही मैं सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

धन्यवाद!

जय हिंद!

जय हिमाचल!